बहुविकल्पी प्रश्न

1. आत्मकथ्य काव्य में मुसक्या कर का प्रयोग किस प्रकार का है?

(अ) अवधी का प्रयोग (ब) छायावादी प्रयोग
(स) ठेठ बनारसी प्रयोग (द) खड़ी बोली का प्रयोग

2. आत्मकथ्य काव्य में आलिंगन का क्या अर्थ होता है?

(अ) गले लगाना (ब) कंधा मिलाना
(स) आईना (द) हाथ मिलाना

3. आत्मकथ्य काव्य में कवि के लिए किसकी यादें सहारा बनी हुई है?

(अ) पिता (ब) माता
(स) प्रेमिका (द) बहन

4. आत्मकथ्य कविता के आधार पर लिखिए कि कवि अपने जीवन-पथ की थकान कैसे दूर करता है?

(अ) अपनी स्मृति-अनुभवों पर आधारित साहित्य सृजन करके।
(ब) अपने अतीत की दुखद स्मृतियों के सहारे।
(स) विविध प्रकार के साहित्य-मनन के सहारे। (द) अपने अतीत की सुखद स्मृतियों के सहारे।

5. आत्मकथ्य में कवि अपनी आत्मकथा में क्या लिखने की बात कर रहे हैं?

(अ) सहनशीलता (ब) इनमें से कोई नहीं
(स) दुर्बलता (द) कुशलता

6. आत्मकथ्य काव्य में कवि अपने जीवन की सुखद स्मृति को किस रूप में देखता है?

(अ) अपनी प्रेयसी के रूप में (ब) अपनी पत्नी के रूप में
(स) दु:खी कर देने वाले पल के रूप में (द) पाथेय अर्थात् जीवन का एक सहारा

7. आत्मकथ्य काव्य में कंथा का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है?

(अ) अपने जीवन इतिहास के लिए (ब) अपने मित्रों के लिए
(स) अपने अंतर्मन के लिए (द) इनमें से कोई नहीं

**8. जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।
इन पंक्तियों के माध्यम से कवि किस की सुंदरता का बखान कर रहे हैं?**

(अ) कवि की प्रेमिका की (ब) सूर्य की किरणों की
(स) राधा की (द) गोपियों की

9. गहरे नीले आकाश में अनगिनत लोगों ने क्या लिखे हैं?

(अ) आत्मकथा (ब) कविता
(स) कहानिया (द) गीत

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. कवि ने खाली पड़े से किसकी ओर इशारा किया है?

(अ) खाली घर
(ब) सूखी नदी
(स) असफल जीवन
(द) इनमें से कोई नहीं

रिक्त स्थान :

11. आत्मकथ्य कविता ____________ ने लिखी है।

12. आत्मकथ्य काव्य में प्रवंचना का अर्थ ____________ है।

सत्य / असत्य

13. मुरझाकर गिरती पत्तियों से अर्थ जीवन में खुशियाँ आना है।

14. आत्मकथ्य आदिकाल की रचना है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. जयशंकर प्रसाद अपनी आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहते हैं?

16. आत्मकथ्य काव्य में कवि की मौन व्यथा हृदय में क्या कर रही है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. आत्मकथ्य काव्य में मधुप किसका प्रतीक है? वह किस तरह कहानी सुना रहा है?

18. आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में अभी समय भी नहीं कवि ऐसा क्यों कहता है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. स्मृति को पाथेय बनाने से कवि का क्या आशय है?

20. इस कविता के माध्यम से प्रसाद जी के व्यक्तित्व की जो झलक मिलती है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

HOTS

21. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये —

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास यह लो,
करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास।

21. (i) पद्यांश में मधुप शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(अ) कवि के लिए
(ब) भौरे के लिए
(स) कवि के मन के लिए
(द) लेखक के लिए

21. (ii) मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ का अर्थ है —

(अ) जीवन में सुख का स्थान दु:ख ने ले लिया है
(ब) पतझड़ आ गया है
(स) वसंत ऋतु समाप्त हो गई है
(द) जीवन में दु:ख का स्थान सुख ने ले लिया है

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

21. (iii) **लक्ष्मण कोमल वाणी में किन्हें संबोधित कर रहे हैं?**

(अ) सुख और निराशा से
(ब) दु:ख और सुख से
(स) दु:ख और आनंद से
(द) सुख और आनंद से

21. (iv) **इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास-का भाव है —**

(अ) अनंत आकाश में
(ब) न जाने आत्मकथा क्यों लिखी जाती हैं
(स) न जाने कितने लेखकों की आत्मकथा लिखी हुई हैं
(द) एक दूसरे का मजाक बनाना

21. (v) **कवि आत्मकथा लिखने से क्यों मना कर रहा है?**

(अ) वह अपना इतिहास नहीं जानता
(ब) उसे आत्मकथा लिखना पसंद नहीं है
(स) वह अपना मज़ाक नहीं उड़वाना चाहता
(द) वह अपना यश नहीं फैलाना चाहता

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

अध्याय-3 | जयशंकर प्रसाद

Worksheet-1
उत्तरमाला

1. (स) बनारस में यह शब्द आम बोलचाल में प्रयोग होता है।

2. (अ) गले लगाना।

3. (स) प्रेमिका।

4. (द) अपने अतीत की सुखद स्मृतियों के सहारे।

5. (स) दुर्बलता।

6. (स) फरसे से।

7. (स) दुर्बलता।

8. (अ) कवि की प्रेमिका।

9. (अ) आकाश को प्रतीक रूप में प्रयोग करते हुए कवि कहता है कि उसमें हर व्यक्ति ने अपनी पीड़ा या अनुभव 'आत्मकथा' की तरह दर्ज किया है।

10. (स) खाली घड़ा यहाँ असफलता, अपूर्णता और जीवन में अर्थहीनता की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है।

11. **रिक्त स्थान :** जयशंकर प्रसाद देव

12. **रिक्त स्थान :** धोखा

13. **सत्य / असत्य :** असत्य

14. **सत्य / असत्य :** असत्य

15. विनम्र स्वभाववश स्वयं को सामान्य मानव मानते हैं।

16. मौन व्यथा हृदय में थककर सो रही है।

17. 'आत्मकथ्य काव्य' में 'मधुप' मन का प्रतीक है। कवि का मन भी भौरे के समान ही यहाँ-वहाँ उड़कर पहुँच जाता है। यह मन रूपी मधुप कवि के जीवन की भूली-बिसरी घटनाओं की याद दिला रहा है, जिससे लगता है कि वह कहानी सुना रहा है।

18. कवि इस समय को अपनी आत्मकथा लिखने के लिए उचित नहीं मानते क्योंकि उनकी जिन्दगी संघर्षपूर्ण रहा है और इन्हें वह अपने तक सीमित रखना चाहता है समाज के सामने नहीं रखना चाहता।

कवि का मानना है कि उसके जीवन में ऐसे अनुभव नहीं है जिन्हें वह समाज के सामने रखे और समाज उससे प्रेरणा ले सके। उसकी जिंदगी में इस प्रकार के अनुभव भी नहीं है जिन्हें समाज के सामने रखा जा सके। इसी कारण से कवि अपनी आत्मकथा सुनाने के लिए अभी के समय को उचित नहीं मानता।

19. कवि का जीवन बहुत ही संघर्षशील एवं दुखद रहा है और उसे अपनी आगे की जिंदगी में कोई खास दिलचस्पी नहीं है। वह अपने जिंदगी के अनुभवों, कष्टों से आहत और निराश है और उसका जीवन में आगे बढ़ने का उत्साह समाप्त हो गया है।

इस प्रकार की स्थिति में जब कोई यात्री अपने पथ पर आगे नहीं बढ़ना चाहता है तब उस स्थिति में पाथेय उसे अपने पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसी प्रकार से कवि भी अपने जीवन के इस पड़ाव पर अपने जीवन की उन सुखद स्मृतियों को पाथेय बनाकर आगे जीना चाहता है। वह अपने जीवन के उन निराशजनक पलों, दुखद अनुभवों से लड़ने के लिए अपनी सुखद स्मृतियों को आधार बनाकर आगे के जीवन के लिए उन स्मृतियों को पाथेय बनाकर अपना जीवन गुजारना चाहता है।

20. इस कविता को पढ़कर प्रसाद जी के व्यक्तित्व की ये विशेषताएँ हमारे सामने आती हैं -

1) प्रसाद जी एक सीधे-सादे व्यक्तित्व वाले मनुष्य थे। वे दिखावा नहीं करते थे। उनके मित्रों ने उनके साथ धोखा किया था परन्तु फिर भी वे भोलेपन में जीते रहें।

2) वे अपने जीवन के सुख-दुख को लोगों में बाटना नहीं चाहते थे, अपनी समस्याओं को अपने तक ही सीमित रखना चाहते थे। अपनी दुर्बलताओं को समाज में प्रस्तुत कर वे स्वयं को शर्मिंदा नहीं करना चाहते थे।

3) प्रसाद जी का स्वयं को दुर्बलताओं से भरा सरल दुर्बल व्यक्ति कहना उनकी विनम्रता को प्रकट करता हैं।

21. **i.** (स) कवि के मन के लिए

ii. (अ) जीवन में सुख का स्थान दु:ख ने ले लिया है

iii. (स) दु:ख और आनंद से

iv. (स) न जाने कितने लेखकों की आत्मकथा लिखी हुई हैं

v. (स) वह अपना मज़ाक नहीं उड़वाना चाहता

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App